Literacy for a Billion

Movie: Madhumati
Year: 1958

Song: Ghadi Ghadi Mora Dil Dhadke
Lyricist: Shailendra

घड़ी घड़ी मोरा दिल धड़के
हाय धड़के क्युँ धड़के
आज मिलन की बेला में
सर से चुनरिया क्युँ सरके
घड़ी घड़ी मोरा दिल धड़के
हाय धड़के क्युँ धड़के
आज मिलन की बेला में
सर से चुनरिया क्युँ सरके
घड़ी घड़ी मोरा दिल धड़के

सारी उमर के बदले मैंने
मांगी थी ये शाम
आज यहीं खो जाऊँगी मैं
उनकी बांहें थाम रे
उनकी बांहें थाम
प्यार मिला आंचल भरके
दिल धड़के क्युँ धड़के
आज मिलन की बेला में
सर से चुनरिया क्युँ सरके

घड़ी घड़ी मोरा दिल धड़के
हाय धड़के क्युँ धड़के
आज मिलन की बेला में
सर से चुनरिया क्युँ सरके
घड़ी घड़ी मोरा दिल धड़के
आज पपीहे तू चुप रहना
मैं भी हूँ चुपचाप
दिल की बात समझ लेंगे
सावरिया अपने आप रे
सावरिया अपने आप
देख जरा धीरज धरके
दिल धड़के क्युँ धड़के
आज मिलन की बेला में
सर से चुनरिया क्युँ सरके
घड़ी घड़ी मोरा दिल धड़के

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.